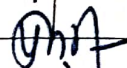


२३.०५.२५

पत्रावली पेश। अधिवक्ता प्रार्थनागण उप।
अप्रार्थी सं... 1 से 4 को रक-रक
कर तीन बार आवाज दिलवाई गई।
कोई उपस्थित नहीं होने पर इनके
विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई
जाती है। प्रार्थनागण अधिवक्ता ने
प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों एवं
आरोपों के दिनांक 22.04.25 के कथनों
को दोहराते हुए अप्रार्थनागण को मूल
वाद के निस्तारण तक इस आशय
की अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया
जावे कि सरहद मौजा डांगरा के
खेत खसरा संख्या 127 रकबा 1.61
हेक्टेयर, खसरा संख्या 232 रकबा
1.63 हेक्टेयर व इती प्रकार ग्राम
रावतसर के खेत खसरा संख्या 887
रकबा 1.63 हेक्टेयर ~~रकबा 1.63 हेक्टेयर~~
जुमले रकबा 4.87 हेक्टेयर में हमारे


सहायक कलेक्टर, सांचौर
(उपखण्ड अधिकारी, सांचौर)

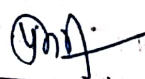


कब्जे काश्त में न तो स्वयं देखल जाय
करे एवं ना ही अन्य किसी के कब्जे
तथा मौजे एवं राजस्व रेकॉर्ड की यथा
स्थिति बनाये रखे।

हमने प्राथमिकीगत अधिवक्ता की
एकपक्षीय बहस पर ध्यान किया पत्रावली
में सलेज्ज दस्तावेजात का माली भागी
अध्ययन व अवलोकन किया तथा
उपम दृष्ट्या अवलोकन से पाया कि
मायला धुनिघा का सेतुलन व अप्रथम
अति प्राथमिकीगत के पक्ष में उतीत होने
से प्राथी का प्राथमिकीगत पत्र स्वीकार योग्य
होने से स्वीकार किया जाता है।

— ! आदेश ! —

अतः प्राथमिकीगत पक्ष में तथा अप्रथमिकीगत
के छिरक मुल वाद के निस्तारण तक
इस आशय की आस्थाई निषेधाज्ञा
जारी की जाती है कि मौजा डोगरा
के खेत खसरा नं. 127 रकबा 1.61 हे,
ख.नं. 232 रकबा 1.63 हेक्टेयर
य. मौजा रावतपुर के खेत खसरा नं.
837 रकबा 1.83 हेक्टेयर में मौजे
एवं राजस्व रेकॉर्ड की यथास्थिति बनाये
रखे। पत्रावली फैसल शुमार होकर
नंबर से कम की जाकर दायिल
दफ्तर हो।


सहायक कलेक्टर, सांचौर
(उपखण्ड अधिकारी, सांचौर)